खास खबरें

इन मास्क की कीमत में आप खरीद सकते हैं गाड़ी और मकान, तस्वीरों में देखें महंगे मास्क ...

मास्क अब आम जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन गया है। मास्क की जरूरत को देखते हुए, महंगे-सस्ते हर तरह के मास्क बाजार में उपलब्ध हैं। जिनमें से कई डिज़ाइनर मास्क की कीमत तो लाखों-करोड़ों में है। युवेल कोविड-19 प्रोटेक्शन मास्क दुनिया का सबसे महंगा मास्क है। इस मास्क की कीमत 1.5 मिलियन डॉलर है। इस मास्क को इजरायल के सबसे पुराने ज्वेलरी ब्रांड युवेल ने तैयार किया है। क्रिस्टल मास्क भी महंगे मास्क की श्रेणी में आता है। इस मास्क को कई बहुमूल्य पत्थरों से सजाया गया है।

गुजरात के सूरत में एक ज्वेलरी शॉप ने खास तरीके के मास्क तैयार किए। इन मास्क की कीमत 1.5 लाख से लेकर 4 लाख तक है। आप सोच रहे होंगे कि आखिर मास्क में ऐसा खास क्या है, जो इनकी कीमत आसमान छू रही है। तो आपको बता दें इन मास्क में हीरे जड़े हुए हैं। पुणे के एक शख्स ने कोरोना से बचने के लिए सोने का मास्क बनवाया। इस मास्क को बनाने में करीब 2 लाख 90 हजार रुपए खर्च हुए, इसका वजन करीब साढ़े पांच तोला है।

अजबः कॉकरोच के डर से पत्नी ने बदलवाए 18 घर, अब तलाक मांग रहा परेशान पति

भोपाल । आमतौर पर ऐसा सुना जाता है कि कोई घर पसंद नहीं आया, वहां का माहौल अच्छा नहीं था तो लोग घरों को बदलते रहते हैं लेकिन क्या आपने पहले कभी ऐसा सुना है कि कॉकरोच के डर से किसी ने 18 घर बदले हो ठीक ऐसा हुआ है मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में। यहां एक दंपती की शादी को तीन साल हो गए हैं और इस बीच वो 18 मकान बदल चुके हैं। पति ने आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी कॉकरोच से बहुत डरती है और घर बदलने की मांग करने लगती है। ऐसा कर उसके और उसके घर वालों को काफी परेशानी और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। पति ने आरोप लगाया है कि कॉकरोच दिखाई देने पर पत्नी चीखने लगती है और घर का सामान सड़क पर रखने लगती है। पति अपनी पत्नी की इन हरकतों से इतना परेशान हो गया है अब उसने तलाक लेने का फैसला ले लिया है। इसके लिए पति ने कानूनी मदद मांगी है।

पत्नी का आरोप, पागल घोषित करने में जुटा परिवार - हालांकि इससे पहले पति अपनी पत्नी को एम्स, हमीदिया समेत कई निजी मनोचिकित्सकों को भी दिखा चुका है लेकिन पत्नी दवाई खाने के लिए तैयार नहीं होती है। वहीं पत्नी का आरोप है कि उसका पति उसकी परेशानी को नहीं समझता है और उसे पागल घोषित करने के लिए उसे दवाइयां खिला रहा है।

2018 में बदला था पहला घर -पति पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और दोनों की शादी साल 2017 में हुई थी। शादी के बाद पत्नी को एक बार कॉकरोच दिखा तो वो इतनी तेज चीखी कि पूरा परिवार ही डर गया। इसके बाद पत्नी ने किचन में जाना बंद कर दिया और घर बदलने की जिद पकड़ ली। पहली बार साल 2018 में घर बदला गया। कुछ दिन बाद पत्नी को वही समस्या हुई। शादी के बाद पति और उसका परिवार 18 बार घर बदल चुके हैं। हालांकि पत्नी का कहना है कि वो बहुत कोशिश करती है कि कॉकरोच को देखकर ना डरे लेकिन ऐसा हो नहीं पाता।

कहानी एक अनोखे गांव कीः यहां के सभी लोग रहते हैं जमीन के अंदर, बेहद रोचक है वजह

दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में स्थित पालिका बाजार के बारे में आपने जरूर सुना होगा। कई लोग ऐसे भी होंगे, जो इस बाजार से शॉपिंग भी किए होंगे। पालिका बाजार पूरा अंडरग्राउंड है, यानी जमीन के अंदर। खैर ये तो एक बाजार है, लेकिन आपको ये जानकर बेहद हैरानी होगी कि इस धरती पर एक ऐसा गांव भी है, जहां सभी लोग जमीन के अंदर ही रहते हैं।

बता दें कि हम जिस अनोखे गांव की बात कर रहे हैं, उसका नाम कूबर पेडी है और ये दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया में स्थित है। इस गांव की सबसे बड़ी खासियत ये है कि यहां के सभी लोग जमीन के अंदर बने घरों में रहते हैं। जमीन के अंदर बने ये घर बाहर से देखने में, तो काफी साधारण दिखते हैं, लेकिन अंदर में सुख-सुविधा की सारी चीजें मौजूद हैं।

दरअसल, कूबर पेडी इलाके में ओपल की कई खदानें हैं। बता दें कि ओपल का खाली पड़े खदानों में ही लोग रहते हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि ओपल क्या होता है ओपल एक दूधिया रंग का कीमती पत्थर होता है। कूबर पेडी को दुनिया की ओपल राजधानी के तौर पर भी जाना जाता है। क्योंकि इस इलाके में दुनिया की सबसे अधिक ओपल की खदानें हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कूबर पेडी में माइनिंग का काम साल 1915 में शुरू हुआ था। दरअसल, यह एक रेगिस्तानी इलाका है, इस वजह से यहां पर गर्मियों में तापमान बहुत ज्यादा और सर्दियों में बहुत कम हो जाता है। ऐसे में यहां रहने वाले लोगों को बहुत तकलीफों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या से निजात पाने के लिए, लोग माइनिंग के बाद खाली बची खदानों में रहने के लिए चले गए बता दें कि कूबर पेडी के इन अंडरग्राउंड घरों में गर्मियों में ना ही एसी की जरूरत पड़ती है और ना ही सर्दियों में हीटर की। आज के समय में यहां पर 1500 से ज्यादा ऐसे घर हैं, जो जमीन के अंदर हैं और लोग यही पर रहते हैं जमीन के नीचे बने ये घर हर तरह की सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण हैं। आपको बता दें कि इस इलाके में कई हॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग भी हो चुकी है। साल 2000 में आई फिल्म पिच ब्लैक की शूटिंग के बाद प्रोडक्शन ने फिल्म में इस्तेमाल किया गया स्पेसशिप यहीं पर छोड़ दिया था, जो अब पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है। कूबर पेडी में लोग घूमने के लिए आते रहते हैं।

कोरोना से जंग के लिए आर्ट को बनाया हथियार, सड़कों से लेकर दीवारों तक बनाई तस्वीरें

कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में कहर मचाया हुआ है। ऐसे में कोरोना से रिलेटेड स्ट्रीट एंड वॉल आर्ट के जरिए लोगों को इस महामारी के खिलाफ जागरूक करने की कोशिश की जा रही है।

देश में कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोगों ने एक दूसरे को जागरूक करने का एक अनोखा तरीका निजात किया है।

इसी तर्ज पर अलग-अलग शहरों में सड़कों के किनारे दीवारों, खिड़कियों पर सोशल डिस्टेंसिंग अभियान को रफ्तार देने के लिए वॉल पेंटिंग बनाई जा रही है। इन सभी पेंटिंग पर आपको तरह-तरह के चित्र बने नजर आएंगे। इन चित्रों के माध्यम से लोगों को अलग-अलग संदेश देने की कोशिश की गई है। कहीं दीवारों पर मुसाफिरों को कोरोना से जुड़ी पेंटिंग नजर आयेगी, तो कहीं सड़कों और बीचों पर कोरोना थीम आर्ट।

ये सभी पेंटिंग्स लोगों को काफी पसंद भी आ रही हैं और अक्सर लोग वहां से गुजरते वक्त इन पेंटिंग्स के साथ तस्वीरें खींचते हैं। जिन्हें वो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट भी करते हैं। एक तरफ जहां कोरोनावायरस ने पूरी दुनिया में कहर मचाया हुआ है। ऐसे में कोरोना से जुड़ी ये पेंटिंग लोगों को मुंह पर मास्क लगाने के लिए जागरूक करती है।

पैसे देने से किया मना, तो दुल्हन ने भाई को शादी में बुलाया ही नहीं

लंदन। एक लड़की ने अपनी शादी के खर्चों को मैनेज करने के लिए कुछ ऐसा किया, कि अब उसकी काफी चर्चा हो रही है। दरअसल, केरन नाम की इस लड़की ने शादी में शामिल होने वाले अतिथियों से ही शादी के खर्चों को मैनेज कर लिया। यही नहीं, जिन लोगों ने उसे पैसे देने से मना किया, उसने उन्हें शादी में ही नहीं बुलाया। और तो और, लोगों को फोन पर ये कह दिया कि उसकी शादी ही कैंसिल हो गई।

केरन ने अपने भाई को शादी से दो दिन पहले कॉल किया, उससे 11 हजार यूरो उधार के तौर पर मांगे, लेकिन जब पैसों के मिलने का कोई भरोसा नहीं मिला, तो उसने फोन काट दिया। इसके बाद उसने किसी और से अपने भाई को कॉल कराया और ये कह दिया कि शादी में आने की जरूरत ही नहीं है क्योंकि शादी कैंसिल हो गई। केरन ने अपने भाई से पैसे उधार के तौर पर मांगे थे। केरन ने कहा कि शादी में सब कुछ खर्च उसे ही करना है और उसे इस बात का पता नहीं था कि शादी वाले दिन ही केटरिंग, फूल, लाइटिंग वालों के पैसे देने हैं। लेकिन भाई ने पैसे देने में असमर्थता जताई, तो केरन ने न सिर्फ अपने भाई, बल्कि अपनी दादी व कुछ अन्य नजदीकी रिश्तेदारों को भी नहीं बुलाया। मैट ने बताया कि केरन ने सिर्फ उन्हीं के साथ ऐसा नहीं किया, बल्कि उसने शादी में बुलाए गए सभी लोगों को कॉल किया था।

रहस्यमयी गांव में चौंकाने वाली घटना! यहां पैदा होती हैं सिर्फ लड़कियां, वैज्ञानिक भी हैरान..

दुनियाभर में कई ऐसी अजीबोगरीब घटनाएं होती रहती है, जिनसे आप बिल्कुल बेखबर होते हैं। कुछ चीजें आप जानने के बाद भरोसा भी नहीं कर पाते कि आखिर यह कैसे संभव हो सकता है। जी हां, कुछ इसी तरह की घटना के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं। दुनिया में एक ऐसा गांव भी है, जहां पिछले 10 सालों से कोई भी लड़का पैदा नहीं हुआ है।

एक खबर मुताबिक, पोलैंड के मिजेस्के ओद्रजेनस्की गांव में पिछले एक दशक से कोई भी लड़का पैदा नहीं हो सका है। जिसकी वजह से यहां के मेयर ने यह घोषणा की है कि किसी के घर में अगर बेटा पैदा हुआ तो उसे ईनाम दिया जाएगा। इस गांव के बारे में जानने के बाद साइंटिस्ट इस जगह की जांच करना चाहते हैं। इतना ही नहीं, जर्नलिस्ट और टेलिविजन के लोग इस पोलिश गांव की अजीबोगरीब आबादी के बारे में जवाब खोज रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो इस गांव में करीब 300 लोगों की आबादी है। पोलिश मीडिया में इस गांव का मामला तब तूल में आया, जब अग्निशामकों के यूथ वॉलिंटियर्स के लिए एक क्षेत्रीय प्रतियोगिता के दौरान पूरी-पूरी टीम लड़कियों की पहुंच गई।

उसके बाद, मेयर क्रिस्टीना जिडजियाक ने कहा, मिजेस्के ओद्रजेनस्की गांव की स्थिति थोड़ी अजीबोगरीब और हाथ से निकल गई है। सीसेक कम्युनिटी के मेयर राजमुंद फ्रिस्को ने बताया कि कुछ वैज्ञानिकों ने यह जांच करने में रुचि व्यक्त की है कि यहां केवल लड़कियों का जन्म क्यों हुआ है वैज्ञानिक भी हैरान हैं। इतना ही नहीं, दुनियाभर के एक्सपर्ट डॉक्टरों को बुलाया जा रहा है कि इस गांव में लड़के के जन्म के लिए क्या करना चाहिए। इस मामले में रिसर्च अभी भी जारी है।

कहानी एक रहस्यमय कुंड कीः विशेषज्ञ भी नहीं पता लगा सके इसकी गहराई

दुनियाभर में आज भी ऐसी कई चीजें रहस्य बनी हुई हैं, जिनका खुलासा अभी तक नहीं हो पाया है। ऐसा नहीं है कि वैज्ञानिक इसके बारे में पता नहीं लगाते हैं, लेकिन उन्हें सही तरह से सफलता नहीं मिलती है। आज हम आपको इस लेख के माध्यम से भारत के एक ऐसे रहस्यमय कुंड के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी गहराई का पता आजतक विशेषज्ञ भी नहीं लगा पाए हैं।

दरअसल, इस रहस्यमय कुंड का नाम है भीम कुंड और ये मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले करीब 70 किलोमीटर दूर बाजना गांव में स्थित है। जैसा कि आपको नाम से ही पता चल गया होगा कि इस कुंड का महत्व महाभारत काल से जुड़ा है। भीम कुंड को लेकर एक बात प्रचलित है कि महाभारत काल में जब पांडव अज्ञातवास पर थे और इधर-उधर भटक रहे थे, तो उन्हें बहुत जोर की प्यास लगी। लेकिन काफी जगह भटकने के बाद भी उन्हें कहीं पर पानी नहीं मिला। ऐसे में भीम ने अपनी गदा से जमीन पर मारकर यह कुंड बनाया और अपनी प्यास बुझाई। कहा जाता है कि 40-80 मीटर चौड़ा यह कुंड देखने में बिल्कुल एक गदा के जैसा है।

वैसे ये कुंड देखने में तो बिल्कुल साधारण सा लगता है, लेकिन इसकी खासियत आपको हैरान कर देगी। इस कुंड के बारे में कहा जाता है कि जब भी एशियाई महाद्वीप में कोई प्राकृतिक आपदा (बाढ़, तूफान, सुनामी) घटने वाली होती है, तो कुंड का पानी अपने आप बढ़ने लगता है। बता दें कि इस रहस्यमय कुंड की गहराई पता करने की कोशिश स्थानीय प्रशासन से लेकर विदेशी वैज्ञानिक और डिस्कवरी चैनल तक ने की है। लेकिन सबको निराशा ही हाथ लगी है। एक बार विदेशी वैज्ञानिकों ने कुंड की गहराई पता करने के लिए 200 मीटर पानी के अंदर तक कैमरा भेजा था, लेकिन फिर भी गहराई पता नहीं चल पाया। भीम कुंड के बारे में ये भी कहा जाता है कि इसका पानी गंगा की तरह बिल्कुल पवित्र है और यह कभी खराब नहीं होता, जबकि आमतौर पर ठहरा हुआ पानी धीरे-धीरे खराब होने लगता है।

भैंसा समझ कर महिला ने हाथी को मार दिया पत्थर

झारखंड के धनबाद जिले के टुंडी ब्लाक के मछियारा गांव में महुआ के पत्ते लेने गई महिला को हाथी ने अपने पैरों से कुचल के मार डाला। ये घटना गुरुवार को सुबह लगभग 4 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला अपनी सास के साथ जंगल गई थी। हाथी के हमले के बाद सास ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। हालांकि पुलिस को देखते हुए गांव वाले भड़क गए और दोनों तरफ से गाली-गलौज भी हुआ। धनबाद जिले के मनियाडीह थाना क्षेत्र की पुलिस ने मछियारा गांव में पूछताछ के दौरान गांव वालों ने बताया कि अल्लाउद्दीन अंसारी की पत्नी अजमेरून अपनी सास के साथ अंधेरे में महुआ के पत्ते लेने जंगल गई थी। इसी दौरान अजमेरून को पेड़ के पास किसी जानवर को महुआ के पत्ते खाने का आभास समझ आया।

आप का राशिफल 15 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) – व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) – मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह) – यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) – राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) – आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग है। शुभांक 2 5 6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) – "आगे आगे गोरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व सामन्जस्य बनाएं। गोठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) – जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) – लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। आय व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल मुलाकात होगी। शुभांक 2 4 6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) – जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) – प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक 1 3 5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) – कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) – राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

स्पेशल खबर.. जूनागढ़ के नवाब अपने कुत्ते पालने के शौक के कारण जाने जाते थे। इनके पास 800 से ज्यादा कुत्ते थे।

इस नवाब ने कुत्ते की शादी में खर्च किए थे करोड़ों, तीन दिन चली थी दावत

राजा, महाराजा और नवाबों के अजीबोगरीब शौक हमेशा से ही भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मशहूर रहे हैं। इनके शौक और उसके लिए खर्च किए जाने वाले पैसों के बारे में जानकर दुनिया दंग रह जाती है। इन्हीं नवाबों में से एक थे जूनागढ़ के नवाब, महाबत खान। इनका कुत्तों के प्रति खास लगाव था।

आजादी से पहले जूनागढ़ के नवाब अपने कुत्ते पालने के शौक के कारण जाने जाते थे। इनके पास 800 से ज्यादा कुत्ते थे। इन सभी कुत्तों के लिए अलग-अलग कमरे, नौकर और टेलीफोन की व्यवस्था रखी गई थी। अगर किसी कुत्ते की जान चली जाती, तो रस्मों-रिवाज के साथ कब्रिस्तान में उसे दफनाया जाता और शव यात्रा के साथ शोक संगीत बजता। लेकिन एक बार तो उन्होंने गजब ही कर दिया।

राजघराने में तय किया रिश्ता

नवाब ने तय किया कि वो अपनी पसंदीदा कुतिया की शादी किसी राजघराने के डॉग से ही करेंगे। ये शादी ऐसी होगी कि लोग उसे सदियों तक याद रखेंगे। इसके लिए ऐसा कुत्ता तलाशा गया जो खुद किसी राजघराने से ही ताल्लुक रखता हो। आखिरकार बात मंगलौर के नवाब के शिकारी कुत्ते पर खत्म हुई। रिश्ता पक्का हो गया।

'रोशना' को शादी के दौरान सोने के हार, ब्रेसलेट और महंगे कपड़े

पहनाए गए थे। इतना ही नहीं मिलिट्री बैंड के साथ गार्ड ऑफ ऑनर से 250 कुत्तों ने रेलवे स्टेशन पर इनका स्वागत किया था। महाबत खान ने इस शादी में शामिल होने के लिए तमाम राजा-महाराजा समेत वायसराय को आमंत्रित किया था, लेकिन वायसराय ने आने से इंकार कर दिया।

50 हजार लोगों को खिलाया खाना-शादी के बाद मेहमानों समेत करीब 50 हजार लोगों को शानदार खाना खिलाया गया। ये कार्यक्रम तीन दिनों तक चला। इस दौरान पूरे राज्य में तीन दिन का अवकाश घोषित कर दिया गया था। शादी में जहां तीन वक्त शानदार खाने का इंतजाम किया गया था। निकाह बिल्कुल उसी तरह हुआ जिस तरह शानदार शादियां होती हैं। निकाह के बाद रोशनआरा को खास इज्जत के साथ 'बूबी' के साथ बिठाया गया। उनके सामने भी उम्दा और लजीज मांसाहारी खाना परोसा गया। इस शादी में नवाब ने आज के वैल्यू के हिसाब से करीब 2 करोड़ से भी अधिक की धनराशि खर्च की थी। वैसे तो आज भी कई लोग अपने पेट्स की शादी करते हैं, लेकिन आप अंदाजा लगाइए की इस नवाब के शौक का, जूनागढ़ के इस नवाब का यह अनोखा शौक कुछ लोगों को किसी सनक या पागलपन से कम नहीं लगता, तो वहीं कुछ लोग इस नवाब को सबसे बड़ा पेट लवर मानते हैं।